A–1130

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

BYN-201

पातंजल योगसूत्र

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Describe the Chitta Vrittis in detail.

   चित्तवृत्तियों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. Write an essay on Kriya Yoga.

   क्रिया योग पर एक निबंध लिखिए।

3. Describe the nature and utility of Niyams.

   नियमों की स्वरूप एवं उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

4. Explain Samadhi with its different types according to Yoga Sutra.

   योग सूत्र के अनुसार समाधि की भेद सहित व्याख्या कीजिए।

5. Describe the method to KAIVALYA PRAPTI.

   कैवल्य प्राप्ति के उपाय का वर्णन कीजिए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Chitta Bhumis.

   चित्त भूमिया।

2. Types of Pancha Klesha.

   पंच क्लेश के प्रकार।

3. Abhyas Aur Vairagya.

   अभ्यास और वैराग्य।

4. Techniques of Chitta Prasadhana.

   चित्त प्रसादन के उपाय।

5. Current relevance of Yamas.

   यमों की वर्तमान में प्रासंगिकता।

6. Nature of Pratyahara.

   प्रत्याहार का स्वरूप।

7. Concept of Ishwar.

   ईश्वर की अवधारणा।

8. Nature of Prakriti

   प्रकृति का स्वरूप।

****